Title: Need to restore Cotton Textile Mills Algin Mill-I, Algin Mill-II and Kanpur Textile of British India Corporation in Kanpur, Uttar Pradesh.

श्री जगत वीर सिंह द्रोण (कानपुर): सभापति जी, मैं बहुत गंभीर विषय उठा रहा हूं लेकिन आपसे प्रार्थना है कि आप एक दम से ब्रेक मत लगा दीजिएगा। सभापति जी, इस विषय को मैं पहले भी उठा चुका हूं। इस प्रश्न का संबंध ५२०० लोगों के जीवन-मरण से है। ब्रिटिश इंडिया कॉरपोरेशन की कानपुर में तीन सूती मिले हैं एल्गिन मिल- **I,** एल्गिन मिल- **II,** और कानपुर टैक्सटाइल। इनको बंद करने का नोटिस संयुक्त मोर्चा सरकार के जमाने में लगाया जा चुका है लेकिन अब समय बढ़ता जा रहा है। अब उसकी समय-सीमा ३१ जुलाई है। इसके बाद वहां के लोगों को वेतन नहीं मिलेगा और ५२०० लोग सड़क पर आ जाएंगे। इस विषय में मैं प्रधान मंत्री जी से, वस्त्र मंत्री से, श्रम मंत्री से और थोड़ा सा सहायता के लिए गृहमंत्री से भी निवेदन कर चुका हूं। मेरा यह कहना था कि ये सूती मिलें ही क्यों बंद की जा रही हैं, जब पूरे देश की १२४ एन.टी.सी. के अन्तर्गत आने वाली सूती मिलें बिना किसी काम के ४०० करोड़ रुपया प्रतिवर्ष वेतन दे रही हैं।

13.00 hrs.

इन तीन मिलों को चलाने के लिए १६-१७ करोड़ रुपए प्रति वर्ष खर्च होते हैं। मेरा प्रधान मंत्री और वस्त्र मंत्री को यह सुझाव था कि वे सूती मिलों के साथ दोहरा व्यवहार न करें। एन.टी.सी. की मिलों के विषय में सरकार जब कभी निर्णय ले, उनके साथ इन तीन मिलों को भी जोड़ दिया जाए। उनको बंद न किया जाए। सरकार वित्त मंत्रालय से बात करके उनके वेतन का समय पर भुगतान करने का प्रबन्ध करे। मैंने संसदीय कार्य मंत्री की उपस्थिति में पहले भी इस विषय को उठाया था। उन्होंने इस पर कुछ कहा भी था। आज इस पर सरकार का क्या पक्ष होगा? वह इस बारे में कुछ कह कर हमें अनुग्रहीत करें।

श्री मदन लाल खुरानाः सभापति महोदय, मुझे इसके बारे में ध्यान है। यह मामला कैबिनेट में आया था। सरकार इस बारे में पूरी तरह से सचेत है। वह मजूदरों को न्याय दिलाएगी।